परिशिष्ट– **A**

पाठ्यक्रम संरचना
सत्र–2018–19
कक्षा–XI
विषय– राजनीति विज्ञान (N-130)

कुल अंक–100

क्र.	इकाई एवम् पाठ्यवस्तु	आंबटित अंक 100	कालखण्ड 220
(A)	राजनीतिक सिद्धांत		
1	राजनीतिक सिद्धांतः एक परिचय	10	10
2	स्वतंत्रता		11
3	समानता	10	11
4	समाजिक न्याय		12
5	अधिकार	10	11
6	नागरिकता		11
7	राष्ट्रवाद	10	11
8	धर्मनिरपेक्षता		11
9	शांति	10	11
10	विकास		11
		50	**110**
(B)	भारत का संविधान		
1	संविधान - क्यों और कैसे ?	12	17
2	भारतीय संविधान में अधिकार		16
3	चुनाव और प्रतिनिधित्व	10	11
4	कार्यपालिका		11
5	विधायिका	10	11
6	न्यायपालिका		11
7	संघवाद	10	11
8	स्थानीय शासन		11
9	संविधानः एक जीवन्त दस्तावेज	08	06
10	संविधान का राजनीतिक दर्शन		05
योग–		**50**	**110**
महा योग–		**100**	**220**

C/11/AV/POL/2018-19

कक्षा – ग्यारहवीं
सत्र्–2018–19
विषय – राजनीति विज्ञान
विषय कोड – N- 130

अ – राजनीतिक सिद्धांत आबंटित अंक 50 कालखण्ड 110

अध्याय 1 – राजनीतिक सिद्धांत–एक परिचय

राजनीति क्या है? राजनीतिक सिद्धांत में हम क्या पढ़ते है? राजनीतिक सिद्धांतों को व्यवहार में उतारना, हमें राजनीतिक सिद्धांत क्यों पढ़ना चाहिए ?

अध्याय 2 – स्वतंत्रता

स्वतंत्रता का आदर्श, स्वतंत्रता क्या है? प्रतिबंधों के स्त्रोत, हमें प्रतिबंधों की आवश्यकता क्यों है? **''हानि सिद्धांत''** सकारात्मक एवं नकारात्मक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।

अध्याय 3 – समानता

समानता महत्वपूर्ण क्यों है? समानता क्या है? अवसरों की समानता, प्राकृतिक और सामाजिक असमानताएं, समानता के तीन आयाम– राजनीतिक समानता, सामाजिक समानता, आर्थिक समानता, हम समानता को बढ़ावा कैसे दे सकते है? औपचारिक समानता की स्थापना, विभेदक बरताव द्वारा समानता, सकारात्मक कार्यवाही।

अध्याय 4 – सामाजिक न्याय

न्याय क्या है? समान लोगों के प्रति समान बरताव, समानुपातिक न्याय, विशेष जरूरतों का विशेष ख्याल, न्यायपूर्ण बंटवारा, रॉल्स का न्याय सिद्धांत, सामाजिक न्याय का अनुसरण, मुक्त बाजार बनाम राज्य का हस्तक्षेप।

अध्याय 5 – अधिकार

अधिकार क्या है? अधिकार कहॉ से आते हैं? कानूनी अधिकार और राज्य सत्ता, अधिकारों के प्रकार, अधिकार और जिम्मेदारियाँ।

अध्याय 6 – नागरिकता

भूमिका, संपूर्ण और समान सदस्यता, समान अधिकार, नागरिक और राष्ट्र, सार्वभौमिक नागरिकता, विश्व नागरिकता।

अध्याय 7 – राष्ट्रवाद

राष्ट्रवाद का परिचय, राष्ट्र और राष्ट्रवाद, साझे विश्वास, इतिहास, भूक्षेत्र, साझे राजनीतिक आदर्श, साझी राजनीतिक पहचान, राष्ट्रीय आत्म निर्णय, राष्ट्रवाद और बहुलवाद।

अध्याय 8 – धर्मनिरपेक्षता

धर्मनिरपेक्षता क्या है? धर्मो के बीच वर्चस्ववाद, धर्म के अंदर वर्चस्व, धर्मनिरपेक्ष राज्य, धर्मनिरपेक्षता का यूरोपीय मॉडल, धर्मनिरपेक्षता का भारतीय मॉडल, भरतीय धर्मनिरपेक्षता की आलोचनाएँ–धर्मविरोधी पश्चिम से आयातित, अल्पसंख्यकवाद, अतिशय हस्तक्षेपकारी, वोट–बैंक की राजनीति, एक असंभव परियोजना।

अध्याय 9 – शांति

भूमिका, शांति का अर्थ, संरचनात्मक हिंसा के विभिन्न रूप, हिंसा की समाप्ति, क्या हिंसा कभी शांति को प्रोत्साहित कर सकती है? शांति और राज्य सत्ता, शांति कायम करने के विभिन्न तरीके, समकालीन चुनौतियाँ, निष्कर्ष।

अध्याय 10 – विकास

भूमिका, विकास की चुनौतियाँ, विकास के मॉडल की आलोचनाएँ, विकास की वह कीमत जो समाज को चुकानी पड़ी, विकास की वह कीमत जो पर्यावरण को चुकानी पड़ी, विकास का मूल्याँकन, विकास की वैकल्पिक अवधारणा, अधिकारों के दावे, लोकतांत्रिक सहभागिता, विकास और जीवन शैली, निष्कर्ष।

ब – भारत का संविधान आबंटित अंक 50 कालखण्ड 110

अध्याय 1 – संविधान–क्यों और कैसे?

हमें संविधान की क्या आवश्यकता है ? निर्णय–निर्माण शक्ति की विशिष्टताएँ, सरकार की शक्तियों पर सीमाएँ, समाज की आकांक्षाएँ और लक्ष्य, संविधान के समर्थ बनाने वाले प्रावधान, राष्ट्र की बुनियादी पहचान, संविधान की सत्ता, संविधान को प्रचलन में लाने का तरीका, संविधान के मौलिक प्रावधान, नेपाल के संविधान निर्माण का विवाद, संस्थाओं की संतुलित रूपरेखा, भारतीय संविधान कैसे बना? संविधान सभा का स्वरूप, संविधान सभा के कामकाज की शैली, कार्यविधि, राष्ट्रीय आंदोलन की विरासत, संस्थागत व्यवस्थाएँ, निष्कर्ष।

अध्याय 2 – भारतीय संविधान में अधिकार

अधिकारों का महत्व, अधिकारों का घोषणा पत्र, भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार, दक्षिण अफ्रिका के संविधान में अधिकारों का घोषणा पत्र, समता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरूद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार, संवैधानिक उपचारों का अधिकार, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य के नीति–निर्देशक, तत्व, नीति निर्देशक तत्वों और मौलिक अधिकारों में संबंध।

अध्याय 3 – चुनाव और प्रतिनिधित्व

चुनाव और लोकतंत्र, भारत में चुनाव व्यवस्था, समानुपातिक प्रतिनिधित्व, भारत में **''सर्वाधिक वोट से जीत की''** प्रणाली क्यों स्वीकार की गई? निर्वाचन क्षेत्रों का आरक्षण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और चुनाव लड़ने का अधिकार, स्वतंत्र निर्वाचन आयोग, चुनाव सुधार।

अध्याय 4 – कार्यपालिका

कार्यपालिका क्या है? कार्यपालिका कितने प्रकार की होती है? भारत में संसदीय कार्यपालिका, राष्ट्रपति की शक्ति और स्थिति, राष्ट्रपति के विशेषाधिकार, प्रधानमंत्री की नियुक्ति में राष्ट्रपति की भूमिका, भारत का उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्री परिषद्,मंत्री परिषद का आकार, स्थायी कार्यपालिका– नौकरशाही, सिविल सेवाओं का वर्गीकरण, निष्कर्ष।

अध्याय 5 – विधायिका

हमें संसद क्यों चाहिए? संसद में दो सदनों की क्या आवश्यकता है? राज्य सभा, लोक सभा, संसद क्या करती है? राज्य सभा की शक्तियाँ, राज्य सभा की विशेष शक्तियाँ, लोक सभा की विशेष शक्तियाँ, संसद कानून कैसे बनाती है? संसद कार्यपालिका को कैसे नियंत्रित करती है? संसदीय नियंत्रण के साधन, संसदीय समितियाँ क्या करती है? संसद स्वयं को कैसे नियंत्रित करती है? निष्कर्ष।

अध्याय 6 – न्यायपालिका

हमें स्वतंत्र न्यायपालिका क्यों चाहिए? न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायाधीशों की नियुक्ति, न्यायाधीशों को पद से हटाना, न्यायपालिका की संरचना, सर्वोच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार–मौलिक क्षेत्राधिकार,'रिट' संबंधी क्षेत्राधिकार, अपीली क्षेत्राधिकार, सलाह संबंधी क्षेत्राधिकार, न्यायिक सक्रियता, न्यायपालिका और अधिकार, न्यायपालिका और संसद, निष्कर्ष।

अध्याय 7 – संघवाद

संघवाद क्या है ? नाइजीरिया में संघवाद, वेस्टइंडीज में संघवाद, भारतीय संविधान में संघवाद, शक्ति–विभाजन, सशक्त केंद्रीय सरकार और संघवाद, भारतीय संघीय व्यवस्था में तनाव, केंद्र–राज्य संबंध, स्वायत्तता की माँग, राज्यपाल की भूमिका तथा राष्ट्रपति शासन, नवीन राज्यों की माँग, अंतर्राज्यीय विवाद, विशिष्ट प्रावधान, जम्मू और कश्मीर, निष्कर्ष।

अध्याय 8 – स्थानीय शासन

स्थानीय सरकार क्यों? भारत में स्थानीय शासन का विकास, स्वतंत्र भारत में स्थानीय शासन, संविधान का 73वाँ और 74वाँ संशोधन, त्रि–स्तरी बनावट, चुनाव, आरक्षण, विषयों का स्थानांतरण, राज्य चुनाव आयुक्त, राज्य वित्त आयोग, 73वे और 74 वें संशोधन का क्रियान्वयन, निष्कर्ष।

अध्याय 9 – संविधान : एक जीवन्त दस्तावेज

क्या संविधान अपरिवर्तनीय होते है? संविधान में संशोधन कैसे किया जाता है? विशेष बहुमत, राज्यों द्वारा अनुमोदन, संविधान में इतने संशोधन क्यों किए गए है? संशोधन की विषय वस्तु, व्याख्याएँ– विभिन्न दृष्टिकोण, राजनीतिक आम सहमति के माध्यम से संशोधन, विवादास्पद संशोधन, संविधान की मूल संरचना तथा उसका विकास, संविधान की संमीक्षा, संविधान एक जीवन्त दस्तावेज, न्यायपालिका का योगदान, राजनीतिज्ञों की परिपक्वता, निष्कर्ष।

अध्याय 10 – संविधान का राजनीतिक दर्शन

संविधान के दर्शन का क्या आशय है? संविधान–लोकतांत्रिक बदलाव का साथी, हमारे संविधान का राजनीतिक दर्शन क्या है? व्यक्ति की स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय, विविधता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सम्मान, धर्मनिरपेक्षता, धार्मिक समूहों के अधिकार, राज्य का हस्तक्षेप करने का अधिकार, सार्वभौम मताधिकार, संधवाद, राष्ट्रीय पहचान, प्रक्रियागत उपलब्धि आलोचनाएँ, सीमाएँ, निष्कर्ष।

.....000.....